हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 12 मई 2025

तापमान
अधिकतम 40 .4 डिग्री
न्यूनतम 20 .5 डिग्री

11 शिविर में कानूनी सहायता की जानकारी

12 गन्नौर में शिविर में 72 यूनिट रक्त एकत्रित

आग का तांडवः दमकल विभाग की 18 गाड़ियां आग पर बुझाने में जुटी, एक फैक्टरी ने दूसरी को भी अपनी चपेट में लिया

दमकल विभाग की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटीं

फैक्टरी में लगी आग के बाद उड़ता धुंआ और दमकल विभाग की गाड़ियां पहुंची

बेसमेंट में लगी आग, बिल्डिंग में आई दरारें

औद्योगिक क्षेत्र में लगी आग ने दूसरी फैक्टरी को चपेट में लिया। फैक्ट्री नंबर 105 के संचालक बलराज सिंह कहा कि उनकी फैक्ट्री भी बड़ी मुश्किल से बची है। हालांकि आग से दीवार भी क्रेक हो चुकी है। नयरा पोलीरब प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में ओपन स्पेस में ऐसी मशीन लगाई हुई थी जिससे बहुत ज्यादा वाइब्रेट होता था। जिसके चलते पॉल्यूशन भी बहुत ज्यादा होता था। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि फैक्ट्री मालिक को जब बोलते थे तो वह झगड़ा करने के लिए उतारू हो जाते थे। यहां पर करीब 4 से 5 फैक्ट्री में आग पहुंचने की संभावना है। उन्होंने मौजूदा हालात के बारे में बताते हुए कहा कि बेसमेंट में आग दहल रही है और आउटर साइड में भी आग है, जिसको बुझाने के लिए दमकल विभाग की गाड़ियां लगी हैं।

तीन फैक्टरियों में लगी आग, सामान खाक, दूसरी मंजिल पर 16 श्रमिक फंसे, कूदने से पांच घायल

आग बुझाने को सोनीपत, रोहतक, पानीपत, झज्जर से बुलाई गाड़ियां, दूसरी फैक्ट्री वालों ने लगाया लापरवाही का आरोप, संचालक करता था झगड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में आग का तांडव दूसरे दिन भी जारी रहा। औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्ट्री में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। देखते ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। उसके बाद आसपास की दो फैक्ट्री चपेट में आ गई।

आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंची। जहां देर शाम तक आग पर काबू पाने का प्रयास जा रहा। गनीमत रही कि फैक्ट्री में लगी आग में जनहानि नहीं हुई है। दमकल विभाग को दिल्ली, पानीपत, रोहतक से गाड़ियों को बुलाकर मदद लेनी पड़ रही है। फैक्टरी मालिकों को करोड़ों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। कुंडली औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी संख्या 386 में रविवार तीसरे पहर कन्वेयर बेल्ट के साथ लगी मोटर में ब्लास्ट से आग गई। छोटे बॉयलर जैसी मोटर धमाके साथ फट गई थी। जिससे दूसरी मंजिल पर धुएं का गुबार फैल गया। इससे वहां काम कर रहे 16 श्रमिक घबरा गए। उन्होंने दूसरी मंजिल से नीचे छलांग लगा दी। ऊंचाई से कूदने के चलते पांच मजदूरों को चोट लगी गई। सभी 16 श्रमिकों को पास के निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर उन्हें प्राथमिक उपचार दिया। उसके बाद श्रमिकों को छुट्टी दे दी गई।

इनमें एक-दो श्रमिक को ज्यादा चोट लगी बताई जा रही है। यह फैक्टरी दिन में आग की चपेट में आई तीन अन्य फैक्टरी से आधा किलोमीटर दूर है। वहां धुआं उठता देख पहले से औद्योगिक क्षेत्र में मौजूद फायर टेंडर तुरंत वहां भेजे गए। जिससे आग ज्यादा नहीं फैल सकी।

कुंडली में हड़कंप

बता दें कि कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में स्थित नयरा पोलीरब प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में सुबह करीब 9 बजे अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। फैक्ट्री में जुटे चप्पल और रबड़ बनाने का काम होता था। देखते देखते आग ने भयानक रूप धारण कर लिया और आसपास की कई फैक्ट्रियों में धीरे-धीरे आग पहुंचनी शुरू हो गई। जिसके बाद औद्योगिक क्षेत्र कुंडली में हड़कंप मच गया। मामले को लेकर दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल विभाग सोनीपत की एक के बाद एक गाड़ियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। उसके बाद रोहतक, दिल्ली के नरेला, पानीपत व झज्जर से गाड़ियों की मदद ली। दमकल कर्मचारियों की तरफ से आग पर काबू पाने के प्रयास जारी है।

सोनीपत। फैक्ट्री में लगी आग व मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियां। फोटो : हरिभूमि

रात नौ बजे तक नहीं पाया जा सका काबू

कुंडली स्थित फैक्टरी संख्या 106 के बेसमेंट में लगी आग पर नौ बजे तक काबू नहीं पाया जा सका था। फैक्टरी संख्या 81 में भी हल्की आग धधक रही है। जिस पर लगातार पानी की बौछार की जा रही है।

आग बुझाने के किए जा रहे प्रयास जारी

दमकल विभाग को सुबह सूचना मिली थी। जिले में तैनात गाड़ियों को आग पर काबू पाने का प्रयास किया। दिन भर में 18 गाड़ियां घटनास्थल पर आग बुझाने में लगी रही। जिन्हें सोनीपत, दिल्ली, रोहतक, पानीपत से बुलाया गया था। आग बुझाने के प्रयास लगातार जारी है। देर शाम तक दमकल कर्मचारी घटना स्थल पर लगे हुए है। समय रहते फैक्टरी से कर्मचारियों को निकाल लिया गया।

-रामेश्वर, दमकल अधिकारी।

बढ़ती हुई आग को देखते हुए फैक्ट्री से निकाला जा रहा सामान

सोनीपत। फैक्टरी में आग के बढ़ने के बाद सामान शिफ्ट करते हुए कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

नयरा पोलीरब प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री से फैली आग के कारण अन्य दो फैक्ट्री मोहित ओवरसीज, विजीन केबल एलएलपी में भी आग लगी है। इसके अतिरिक्त जिस फैक्ट्री में आग लगी है, उसके साथ में पीएनबी किचन मेट कंपनी का गोदाम में सामान रखा हुआ था। बढ़ती हुई आज के चलते सामान बाहर निकाला जा रहा है। वही फैलती हुई आग के चलते फैक्ट्री मालिकों को डर सता रहा है इसलिए वह भी अपने सामान को बाहर निकाल कर दूसरी जगह शिफ्ट कर रहे हैं।

कुंडली औद्योगिक क्षेत्र : तीन दिन में छह फैक्ट्ररियों में लगी आग

- फैक्ट्ररियों में आग से बचाव के उपकरणों की कमी के कारण सबसे अधिक परेशानी
- क्षेत्र में फायर ब्रिगेड के बेड़े को बड़ा करने की उठाई जा चुकी है मांग

सोनीपत। कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में आए दिन आगजनी के मामले सामने आ रहे हैं। अभी वीरवार की रात फुटवियर फैक्ट्री में लगी आग से राख हुए सामान में तपिश कम भी नहीं हुई थी कि इससे पहले ही रविवार सुबह एक के बाद एक तीन फैक्ट्ररियों में आग लग गई। आग के चलते सोनीपत ही नहीं बल्कि आसपास के इलाकों से भी फायर ब्रिगेड बुलानी पड़ी। लगातार आग के मामले सामने आने के बाद से औद्योगिक क्षेत्र में खौफ का माहौल है। वैसे भी कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में ज्यादातर फैक्ट्ररियां रबड़, प्लास्टिक या फिर कैमिकल से संबंधित हैं।

जोकि आग को बढ़ाने का ही काम करती हैं। कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में पिछले तीन दिन भीतर 6 फैक्ट्री में आग लग चुकी है। फैक्ट्ररियों में आग से बचने के लिये पर्याप्त साधन ना होना और लापरवाही की वजह से आग विकराल रूप ले रही है। जिसकी वजह से जान माल की हानि होती है। स्थानीय लोग भी लगातार आगजनी की घटना से परेशान हैं। इसी वजह से कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बढ़ाने की मांग भी उठ चुकी है। इस बारे में कई बार औद्योगिक एसोसिएशन भी मांग उठा चुकी है, लेकिन अभी तक इस संदर्भ में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

जरूरी है फायर सेफ्टी उपकरण

फैक्ट्ररियों में आग से बचने के लिये पर्याप्त उपकरण ना होना भी औद्योगिक क्षेत्र में आगजनी की घटनाओं की संख्या बढ़ा रहा है। क्योंकि प्रारंभिक चरण में अगर आग पर काबू पा लिया जाए तो आग विकराल रूप नहीं लेती है। ऐसे में बड़े नुकसान से आसानी से बचा जा सकता है। लेकिन फैक्ट्ररियों में आग से बचाव के उपकरण नदारद होने के कारण आगजनी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

शार्ट-सर्किट बताया कारण

तीन दिन में छह फैक्ट्ररियों में लग चुकी है आग वीरवार रात ओमकारा फुटवियर फैक्टरी में अचानक आग गई थी। आग लगने का कारण शार्ट-सर्किट बताया गया था। फैक्टरी में चप्पल बनाई जाती है। इसके साथ लगती दुर्गा कूलिंग फैक्टरी में कुलर की घाट, शिव चरण दास में मसाले और रॉयल पॉलीयुरेथेन में कुर्सियों के हेंडल व अन्य सामान बनता है, उनमें भी आग लग गई थी। तीनों फैक्टरी में आग ज्यादा नहीं बढ़ने दी गई और अग्निशमन विभाग व कर्मियों ने काबू कर लिया। इसी तरह रविवार को नयरा पोलीरब प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में सुबह करीबन 9 बजे अज्ञात कारण के चलते आग लग गई। फैक्ट्री में जुटे चप्पल और रबड़ बनाने का काम होता था। उसके के बाद दो और अन्य फैक्ट्रियों को अपनी चपेट में ले लिया।

लापरवाही बन रही है बड़ा कारण

फैक्ट्ररियों में आगजनी के मामलों में सबसे बड़ा कारण लापरवाही सामने आया है। कभी बिजली फिटिंग में शॉर्ट सर्किट तो कभी किसी श्रमिक की लापरवाही की वजह से आगजनी हो रही है। क्योंकि फैक्ट्ररियों में अधिकतर प्लास्टिक, रबड़ या कैमिकल से संबंधित काम होता है, ऐसे में आग अचानक से ही विकराल रूप धारण कर लेती हैं।

पिस्तौल के बल पर ट्रक चालक से हजारों की राशि लूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को दी शिकायत, मुकदमा दर्ज

कुंडली थाना क्षेत्र में कुंडली-गाजियाबाद-पलवल (केजीपी) एक्सप्रेस वे पर यमुना पुल के नजदीक बदमाशों ने पिस्टल के बल पर एक ट्रक चालक से पांच हजार रुपये की राशि लूटने का मामला सामने आया है। ट्रक चालक लघुशंका के लिए वहां रुका था। इसी दौरान तीन बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने तीन बदमाशों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

गांव तिवाला चरखी-दादरी निवासी राजबीर ने बताया कि वह मिट्टी भरकर दादरी से बागपत जा रहा था। इस दौरान सुबह साढ़े चार बजे केजीपी पर यमुना पुल के पास लघुशंका के लिए ट्रक रोक लिया। जब वह वापस गाड़ी में बैठने लगा, तो अचानक सड़क के किनारे से तीन युवक आए और उसे घेर लिया। उनमें से एक के पास पिस्टल, दूसरे के पास चाकू और तीसरे के पास लाठी थी। तीनों ने ट्रक का शीशा खुलाकर उससे पांच हजार रुपये की राशि छीन ली। इसके बाद आरोपित फरार हो गए। उसने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने नाकाबंदी कर आसपास के क्षेत्र में बदमाशों की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग पाया। जांच अधिकारी एसआई मंदीप कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द आरोपितों की तलाश कर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

गन्नौर:गांव पांची जाटान में मकान में चोरी, केस

गन्नौर । गांव पांची जाटान में एक मकान से चोरी की घटना सामने आई है। मकान मालिक ने चोरी की शिकायत थाना गन्नौर पुलिस को दी। शिकायत में पांची जाटान निवासी अमित ने बताया कि वह एसबीआई लाइफ में कार्यरत है। 4 मई की शाम वह अपने घर में ताला लगा कर सोनीपत चले गए थे। जब 10 मई को गांव वापिस लौटे तो मकान का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो संदूक और दरवाजों के ताले भी टूटे थे। जांच में पता चला कि अज्ञात चोर घर में घुसकर 15 हजार रुपये नकद और जेवरात चोरी कर ले गए। अमित की शिकायत पर थाना गन्नौर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

असली पता छुपाकर दिल्ली के पते पर फर्जी पासपोर्ट बनवाया

स्पेशल टास्ट फोर्स की सोनीपत टीम को लग गई भनक

गोहाना। गांव भैंसवाल कलां के युवक ने अपने मूल पते को छुपाकर दिल्ली के पते से फर्जी पासपोर्ट बनवाया। वह आपराधिक किस्म का है और तीन वर्ष पहले हत्या के प्रयास में संलिप्त रहा है।

वह विदेश भाग सकता था। स्पेशल टास्क फोर्स की सोनीपत टीम को इस बारे में भनक लग गई। सदर थाना गोहाना में आरोपित के विरुद्ध धोखाधड़ी व अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। एसटीएफ में नियुक्त उप निरीक्षक संगीत ने सदर थाना गोहाना पुलिस को बताया कि सूचना मिली है कि गांव भैंसवाल निवासी अमित ने अपना मूल पता छिपाकर दिल्ली के फर्जी पते पर पासपोर्ट बनवाया है। उसका पहले आपराधिक रिकार्ड रहा है। आरोपित अमित ने खुद को अंकित पुत्र दीपक, माता का नाम कमला दर्शाया है। उसने दिल्ली में मयूर विहार फेज 3 गांव दल्लूपुरा के पते पर अपना पासपोर्ट बनवाया है। फर्जी कागजात पर उसका पासपोर्ट 7 जून 2024 को जारी किया गया था। अमित के पिता का नाम जोगेंद्र है। उप निरीक्षक ने आशंका जताई है कि आरोपित देश छोड?र विदेश भागने की फिराक में है।

आरोपित पर 2022 में हत्या के प्रयास का केस दर्ज है। उप निरीक्षक ने थाना सदर गोहाना में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पासपोर्ट को जब्त कर उसकी जांच की मांग की गई है।

महात्मा बुद्ध जयंती पर कार्यक्रम

बुद्ध के ज्ञान, प्राप्ति के साथ उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

लाल दरवाजा स्थित संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर में बुद्धा एजुकेशन सोसायटी द्वारा महात्मा बुद्ध जयंती के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान भगवान के ज्ञान, प्राप्ति के बारे व उनके द्वारा दिए गए मुक्ति मार्ग का प्रचार प्रसार किया गया। सोसायटी के प्रधान धर्मपाल तूर की अध्यक्षता में महासचिव कृष्ण कुमार नरवाल व कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता रजत कल्सन रहे। इस मौके पर रवि मेहरा, हरिशरण भाटिया, कृष्ण भाटिया, सुभाष ग्रेवाल, हरि वेद कटारिया, सूबे सिंह आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ सोसायटी के पदाधिकारी।

शाम को बदला मौसम, तेज अंधड़ के बाद बारिश

- मौसम में परिवर्तन आने से आमजन को मिल रही गर्मी से राहत
- बूंदाबांदी और बारिश से मई का महीना हुआ ठंडा-ठंडा कूल
- आगामी दिनों में फिर होगी तापमान में धीरे धीरे बढ़ोत्तरी

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

शाम को मौसम में अचानक बदलाव आया और तेज अंधड़ शुरू हो गया। जिसके कारण शहर व ग्रामीण क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। वहीं तेज आंधी के कारण शहर में दुकानों के सामने व सड़कों के किनारे रखे फ्लेक्स बोर्ड हवा में उठ गए। आंधी के कारण बिजली गुल होने से शहर में अंधेरा छाया गया। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मई का महीना ठंडा-ठंडा कूल बना हुआ है। एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभों के सक्रिय होने से मई महीने की शुरूआत से ही लगातार दोपहर बाद मौसम में बदलाव, बादलों की आवाजाही व तेज गति से हवाएं चलने, अंधड़ के साथ हल्की बारिश, बूंदाबांदी की गतिविधियों से लगातार मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। जिससे सम्पूर्ण इलाके में लगातार तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से तापमान में गिरावट

बता दें कि हरियाणा एनसीआर दिल्ली में फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, रोहतक, झज्जर, कैथल, जींद, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी जिलों में हल्की बारिश, बूंदाबांदी हुई। जिसके कारण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन व रात के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं। मौसम विशेषज्ञ का कहना है कि इस साल मई महीने में झुलसाने वाली गर्मी व हीट वेव के तेवरों को पश्चिमी मौसम प्रणालियों की श्रृंखला ने ढीले कर दिया, साथ ही साथ बढ़ते हुए तापमान पर अंकुश लगा रखा है। वर्तमान परिदृश्य में एक और नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान व उसके आसपास के क्षेत्रों में निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा है, जो रात तक उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय हुआ।

संबंध कोई भी हो लेकिन यदि दुख में साथ न दे अपना
तो सुख में उन संबंधों का, रह जाता कोई अर्थ नहीं ।
मन कटुवाणी से आहत हो, भीतर तक छलनी हो जाए
फिर बाद कहे प्रिय वचनों का, रह जाता कोई अर्थ नहीं ।
- रामधारी सिंह 'दिनकर'

समीर के वकील ने पेपर्स देखे, उसमें गहना ने कोई मांग नहीं की थी सिवाय डिवोर्स के। समीर को उसने आंखों के इशारे से कहा कि साइन कर दो और समीर ने साइन कर दिए। गहना कॉरिडोर के अपोजिट साइड निकल गयी और जीत का आनंद उसके चेहरे पर था। उन हज़ारों उठने वाली उंगलियों को नजरअंदाज कर वह बड़ी बेतकल्लुफी से चल रही थी, अपनी जिंदगी की तरफ, जिसमें वह एक विजेता थी।

मुझे मां नहीं बनना

कहानी

प्रतिभा सुमन शर्मा

तुम फिर वापस आ गयीं? पर क्यों? क्या परेशानी थी? जुमा- जुमा चार ही साल हुए हैं शादी को और चार सालों में तुम पांच बार वापस आ गयी हो, पता है तुम्हें ? मैं इकलौती औरत क्या-क्या संभालूं ? तुम्हारे बाप को तो होश नहीं रहता कि उनकी एक अदद बेटी भी है। हमेशा अपनी धुन में रहता है वह आदमी। भाई बस नाम का है, अपना घर बीवी-बच्चे इनसे कोई फुरसत मिले तो पूछेगा न तुमको, कैसी हो बहना, ससुराल में सब ठीक तो चल रहा है न ?

क्या हुआ गहना, बोलो बेटा? माँ .....!
गहना- प्लीज़ रुकोगी? मैं कुछ बोलूं। हां, बताओ।
मां, मुझे मां नहीं बनना।
क्यों? चार साल हो गए हैं शादी को और फिर भी तुम्हे मां क्यों नहीं बनना?
मुझे नहीं पसंद मम्मा, प्लीज़।
क्या नहीं पसंद?
माँ बनना नहीं पसंद, मुझे मम्मा। मैंने अपनी शादी के पहले ही समीर से यह बात कर ली थी। वह इस बात पर राजी था। पर अब उसके घर वाले उसे बहुत फ़ोर्स कर रहे हैं कि चार साल हो गए बच्चा क्यों नहीं कर रहे हो। इन्फेक्ट मेरी मदर इन लॉ तो मुझे और समीर को जबरदस्ती डॉक्टर के पास भी ले गयी। उनकी जिद इतनी ज्यादा थी कि हमें जाना पड़ा डॉक्टर के पास।
क्या कहा डॉक्टर ने ?
डॉक्टर ने क्या कहना था, उसने रेगुलर चेकअप किया और बताया कि दोनों नार्मल है, कुछ प्रोटेक्शन यूज़ कर रहे हैं इसलिए कंसीव नहीं हो रहा है बस। मेरी सास समीर की तरफ ये बड़ी-बड़ी आंखें फाड़ कर देखने लगी जैसे कि डॉक्टर न होती तो वह शायद एकाद थप्पड़ तो जड़ ही देती।

समीर बिल्कुल कुछ भी नहीं बोला, न वहां, न रास्ते में और न घर आकर। उसने किसी भी तरह से बात की सच्चाई नहीं बताई। अब मम्मा बताओ, यह चीटिंग हुई कि नहीं ?
गहना, तुम मुझे एक बात बताओ कि तुमको मां ही नहीं बनना, यह बात तुमने मुझे तो नहीं बतायी?
मम्मा, छोड़ो! तुमको यह बात बताकर क्या करती मैं? तुमको तो मेरी शादी कर के अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना था? क्या तुम कभी समझ सकती थीं मेरी इस बात को ?
पर तुमको परेशानी क्या है बेटा? शादी के बाद तो मां बनना, तुमसे तुम्हारे मैके वालों से लेकर ससुराल वालों का बच्चा होने की उम्मीद रखना, मुझे तो कुछ गलत नहीं लगता इसमें ? सभी को करना ही पड़ता है यह? बच्चा न होने वाली औरत और उस पूरे परिवार को ही समाज बड़ी बुरी नजर से देखता है बेटा समझो !
मम्मा, कौन सा समाज? वही, उनके हमारे रिश्तेदार आजू बाजू अड़ोस- पड़ोस वाले।
सभी लोग जिस बिरादरी में उठना-बैठना होता है वही तो होता है समाज।
मम्मा, प्लीज़ मुझे ऐसे किसी भी समाज की वजह से मां नहीं बनना है। इन्फेक्ट मुझे मां बनना ही नहीं है। ऐसी औरत को लोग बांझ कहते हैं। कहने दो मुझे बांझ। मुझे मां नहीं बनना बस।
समीर क्या कह रहा है? माँ ने पूछा।
समीर क्या कहेगा, बिल्कुल दल बदलू आदमी है। शादी करने से पहले तो बड़ा महान बन रहा था? अगर तुमको नहीं पसंद बच्चे तो हम नहीं करेंगे। और अब.... अब कह रहा है मम्मी-पापा का इतना प्रेशर है। गहना, मुझे समझ नहीं आ रहा क्या करूँ! यह सरासर चीटिंग है मेरे साथ। यह देखो, यह हम दोनों के बीच का कॉन्ट्रैक्ट।

उसने यह लिखकर दिया है कि उसे भी बच्चा नहीं चाहिए, अब वह मुकर नहीं सकता। माँ- मैं तुम लोगों की जनरेशन की नहीं हूं।
लेकिन गहना, कुछ ज्यादा ही एडवांस नहीं है तुम्हारी जनरेशन? मम्मा, एक लड़का जो शादी करना चाहता है और एक लड़की जो शादी करना चाहती है, दोनों साथ रहना चाहते हैं लेकिन बच्चा नहीं चाहते। इसमें गलत क्या है?
गलत सही कुछ भी मेरी समझ से परे है। अब तुम क्या करना चाहती हो?
कुछ नहीं। उसने कहा। मैं समीर के खिलाफ कोर्ट में केस करना चाहती हूं।
अनुसूया जी बिल्कुल हक्की-बक्की थीं अपनी बेटी का रवैया देखकर। कैसे कोई औरत ऐसी हो सकती है जिसको सच में प्रजनन की चाह ही नहीं है? तुम नौकरी करती हो और तुम खुद कमाती-खाती हो, इसलिए आज तुमको यह लगता होगा बेटा पर हाथ-पैर जवाब देने लगेंगे तब कोई तो सहारा चाहिए होता है न बुढ़ापे में ?
मम्मा, इसका जवाब तो खुद तुम हो, तुम मुझसे क्या जवाब मांगती हो?
कुछ दिन बीत गए। न समीर का फ़ोन आया, न ससुराल से कोई बुलावा आया। गहना रोज नौकरी पर जाती और वापस आती। बाप दारू पीकर तरह-तरह के सवाल करता। कभी-कभी समीर को फ़ोन लगाता पर समीर नहीं उठाता था उनका फ़ोन। फिर गहना को भला-बुरा कहते। एक दिन गहना नौकरी से वापस आयी, तभी पापा दरवाजे में खड़े हो गए और बेटी को कहने लगे 'जाओ अपने घर उल्टे पैर लौट जाओ।' अनुसूया जी बीच में पड़ी और गहना को घर में लिया। पापा भली-बुरी बातें सुनाते रहे।

सुबह जब तैयार होकर गहना निकल रही थी तब माँ ने कहा कि कहीं हॉस्टल में जगह देख लो रहने के लिए, क्योंकि तुम्हारे पापा तुमको यहां जीने नहीं देंगे।
गहना समझ गयी और घर से निकल कर नौकरी की जगह फ़ोन कर दिया कि कुछ इमरजेंसी है इसलिए नहीं आ पाएगी। और अपने लिए एक कमरा तलाशने निकल पड़ी नोएडा जैसी जगह में शाम तक घर तो नहीं मिला कहीं अकेली औरत को। पर हॉस्टल मिल गया। शाम को गयी और सारा सामान उठाकर ले आयी। हॉस्टल में नौकरी करने वाली स्त्रियां विशेषकर रहती थी वहां। गहना ने वकील को अपना केस बताया। काफी सारे लोगों के लिए तो यह मामला ही अजीब था। इसलिए केस लिया ही नहीं। फिर कोई एनजीओ के थ्रू एक वकील मिल गयी दुर्गा।
दुर्गा के केस लेने के बाद गहना आश्वस्त हो गयी। अब क्या, सिर्फ आश्वस्त होने से काम नहीं बनने वाला था। वैसे भी गहना ने अपनी सारी बातें दुर्गा को बतायीं और यह भी बताया कि मैरिज से पहले इस बाबत दोनों में कॉन्ट्रेक्ट हुआ था। दुर्गा ने देखा कि कॉन्ट्रेक्ट में यह बात साफ-साफ लिखी गयी थी कि गहना को शादी के बाद घर वालों द्वारा भी जबरदस्ती नहीं कि जा सकती। अगर ऐसा हुआ तो उसकी जिम्मेदारी समीर लेगा। समीर ने न जिम्मेदारी ली और न कुछ।

कोर्ट ने एक वकील देकर मामले में काउंसलिंग करने की कोशिश भी की। पर गहना अपनी बात पर कायम रही। वैसे ही कोर्ट में भी कायम रही, विरोधी पक्ष के वकील ने उसके चरित्र तक को उछाला। भारतीय संस्कृति का हवाला भी दिया। पर गहना टस से मस न हुई। न गहना की वकील ही। क्योंकि उनके पास ठोस पेपर्स थे, समीर के दस्तख्त के साथ।

सीधे बात से ही मुकर गया। अब दुर्गा ने समीर को कोर्ट का नोटिस दिया। समीर ने सपने में भी नही सोचा था कि गहना उसे कोर्ट में खींचेगी। फिर क्या? समीर को भी कोर्ट का सामना करना पड़ा। उसकी तरफ से उसने एक वकील कर लिया था। यह एक अनोखा और अजीब-सा केस कोर्ट में पेश हुआ। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जज ने पूछा- लेकिन हर्ज क्या है आपको मां बनने में?
मुझे हर्ज है इसलिए तो हम बात कर रहे हैं न? समीर के वकील ने गहना से कहा, देखिए मैडम, मामला कोर्ट में टिक नहीं पायेगा इसलिए कह रहे हैं।
गहना- 'तो न टिके मेरी बला से।' नहीं मतलब आपके साइड से कोई केस बन भी गया है तो वह टिकेगा नहीं कोर्ट में। देखते हैं।
मतलब, आप अपने साथ-साथ अपने पति की भी ऐसी-तैसी करवाओगी? मेरा मतलब मैडम केस वापस ले लो, फिर बाद में मत कहना कि मैंने आपको बताया नहीं।
कोर्ट ने एक वकील देकर मामले में काउंसलिंग करने की कोशिश भी की। पर गहना अपनी बात पर कायम रही। वैसे ही कोर्ट में भी कायम रही, विरोधी पक्ष के वकील ने उसके चरित्र तक को उछाला। भारतीय संस्कृति का हवाला भी दिया। पर गहना टस से मस न हुई। न गहना की वकील ही। क्योंकि उनके पास ठोस पेपर्स थे, समीर के दस्तख्त के साथ। आखिर फैसला गहना के पक्ष में हुआ। समीर को कहा गया कि आप अपनी पत्नी को इस तरह से जबरदस्ती अब नहीं कर सकते। जबकि शादी के वक्त ही उसने आपसे कॉन्ट्रेक्ट लिखवाया था। आपने खुशी-खुशी उस पर दस्तखत भी किए हैं। अब किसी के कहने पर या परिवार के कहने पर भी आप उसे बदलवा नहीं सकते। तब तक कि जिसने आपके साथ कॉन्ट्रेक्ट किया है वह खुद कहे कि मुझे कॉन्ट्रेक्ट में बदलाव करना है मैं मां बनना चाहती हूं। समीर और गहना कोर्ट के फैसले के बाद साथ-साथ चल रहे थे कॉरिडोर में। समीर ने गहना को रोका, कहा कि सॉरी मुझसे ही भूल हुई है, मैं अपनी बातों पर कायम नहीं रह पाया। पर अब मैं इस रिलेशनशिप को कंटीन्यू नहीं करना चाहूंगा। तभी गहना ने कहा ठीक है मुझे भी नहीं करना है इस बेईमान रिश्ते को कंटीन्यू। ये पेपर्स हैं, मुझे तुमसे डिवोर्स चाहिए।
समीर के वकील ने पेपर्स देखे, उसमें गहना ने कोई मांग नहीं की थी सिवाय डिवोर्स के। समीर को उसने आंखों के इशारे से कहा कि साइन कर दो और समीर ने साइन कर दिए। गहना कॉरिडोर के अपोजिट साइड निकल गयी और जीत का आनंद उसके चेहरे पर था। उन हज़ारों उठने वाली उंगलियों को नजरअंदाज कर वह बड़ी बेतकल्लुफी से चल रही थी, अपनी जिंदगी की तरफ, जिसमें वह एक विजेता थी।

कविता

डॉ.कमलेश मलिक

संकल्प

जो जैसी भाषा में समझे उसे वैसे ही समझाना होगा
प्रेम-शांति संदेश छोड़ अब रण का बिगुल बजाना होगा

किसी हिमांशी की आंखों से सिंधु जल अब नहीं बहेगा
किसी आरती के सर से अब पिता का साया नहीं उठेगा
यह संकल्प लिए अर्जुन को अब तो शस्त्र उठाना होगा

ऊरी अटैक या पुलवामा दुश्मन ने मुंह की खाई है
कितने सैनिक हमने खोये यह भी कड़वी सच्चाई है
सर से पानी उतर गया अब उनको सबक सिखाना होगा

पहलगाम का सीना छलनी माथे की बिंदिया का क्रंदन
बिलख-बिलख कर कहता है अब राखी के धागों का बंधन
दुश्मन केवल दुश्मन ही है रिश्ता यही निभाना होगा
जो जैसी भाषा में समझे उसे वैसे ही समझाना होगा।

कविता

क्षमा उर्मिला

अकेले ही ढले हैं

जहां सारा हैं अपना हम यही माने चले हैं
परख कर दुख ही तो होगा अनाड़ी ही भले हैं

झुलसने का ना हम को डर लगे खेल अब तो
तपन को बाहों में लेकर अंधेरों में जले हैं

हजारों रातें गहरी चाँद तक तक के ही काटी
उसे मामा ही समझे हम अंधेरे यूं टले हैं

बना कर धर्मों की केंची सियासत पंख काटे
उड़ानें भरते पंछी बस शिकारी को खले हैं

यही होता है सदियों से सुबह के सूरजों का
उगे ओजस्वी किरनों में अकेले ही ढले हैं

निगल जाती है सौ जानें लहर तोड़े किनारे
हुआ ये तब किनारे जब समन्दर को छले हैं।

मुक्तक

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

याद तो दिल खुदा को करता है,
अक्स तेरा ही क्यों उभरता है?
बेखुदी हद से जब गुजरती है,
आदमी इस तरह भी मरता है।

**

आप से प्यार हो गया कैसे ?
यह चमत्कार हो गया कैसे ?
प्यार को मैं गुनाह कहता था,
मैं गुनहगार हो गया कैसे ?

**

जीवन के संघर्षों ने जब भी ललकारा है।
कागज-क़लम ने मुझको दिया सहारा है।
बड़े-बड़े तूफानों से मैं घिरा रहा अक्सर,
इसी नाव ने मुझे हमेशा पार उतारा है।

कविता

दिनेश दिनकर

मेरी आखिरी सांस

तेरे बिन ये सन्नाटा सुन,
मैं तनहाईयों से घिर गई
जब सुनी तेरी आवाज
तो तुझे खोने की अफवाह पिघल गई
हर रोज सपने में तुझे देखती थी
तुझे चूमती थी तुझे पुकारती थी
इक आखिरी ख्वाहिश बची है सीने में
गर भर लूं तुझे बाहों में,
तो इस जहां से छुमंतर हो सकूं
बोलो थामोगे मेरा हाथ
जब तक बची है मेरी आखिरी सांस।

कविता

राज ख्यालिया

वक़्त की कमी है, मगर मिलन की चाहत है बाकी,
दिल में अभी तेरे नाम की लगन है बाकी।

राहों में रुकावट हैं, फासले भी कायम है
फिर भी न जाने क्यों एक आस है बाकी

चाहा तुझे लम्हों में बाँध लूँ साँसों की डोर से,
पर जिंदगी में अब भी कुछ उलझनें है बाकी।

हर मोड़ पर देखा तुझे यादों की सूरत में,
फिर भी न जाने क्यों है आँखें नमी है बाकी...

कविता

राकेश कुमार सपड़ा

कलमा

थे वो सैलानी भ्रमण पे
काश्मीर के चमन में
झेलम ढल सब निहार ली
पहलगाम की फिर राह ली
छूट ना जाए कोई झील या झरना
क्या मालूम था
छद्म वेश में
आ जाएगा पूछने कोई
क्या आता है पढ़ना कलमा ?

बैसरन वादियाँ
महक रही थी जहाँ
बेशुमार खुशियाँ
इन्सानियत वहाँ शर्मसार हुई
गोली दिल के पार हुई
खून से घाटी लाल हुई
मासूम जिंदगियां
दहशत की शिकार हुई।

पूछ कर नाम शिकार जो बनाते हैं
छुपे नहीं है जो ये आतंक मचाते है
बहा के खून बेकसूर निहत्थो का
मानवता को कलंकित कर जाते हैं।

आंखे हमारी सबकी भले ही नम है
अपनों को खोने का भी गम है
होंसला नहीं हुआ फिर भी कम है
मिटाने का आतंक जड़ से लिया प्रण है
देखा ही कहाँ तुमने अभी हमारा दम है।

कविता

अंजु कपूर गांधी

बेरोज़गार हूं मैं

हां बेरोजगार हूं मैं।
था सुमन ठोकरों से,
बन चुका खार हूं मैं।
जिससे है की पढ़ाई
हुई खत्म वो कमाई
खटता है बाप अब तक
खाली बेकार हूं मैं।
मां मांगती दुआएं
अल सुबहा जब भी जागे
हर दर पे टेके माथा
बांधे मन्नतों के धागे
टूटे नित उम्मीद उसकी
देखूं, लाचार हूं मैं।
खाना परोसा जाता
नहीं बैठ खा मैं पाता
करती सवाल आंखें
रहता दरकिनार हूं मैं ।
थामे डिग्रियों की फाइल
थके पांव रुह है घायल
लगता है लिए घूमता
गर्द और गुबार हूं मैं
ज्वालामुखी धधकता
आक्रोश का है भीतर
कब फूट पड़े लावा
जलता अंगार हूँ मैं।
बेरोजगार हूँ.....

महिला साहित्यकार, कवियत्री एवं लेखिका मीना चौधरी का इस आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि आज साहित्य अत्यंत रोचक, बहुआयामी और चुनौतीपूर्ण है। तकनीकी प्रगति, सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोले हैं, जिससे साहित्य अब सिर्फ पुस्तकों तक सीमित नहीं रहा। ब्लॉग, ई-बुक्स, पॉडकास्ट और यूट्यूब जैसे डिजिटल माध्यमों ने नए लेखकों को मंच दिया है।

साक्षात्कार

ओ.पी पाल

समाज के हित में हिंदी साहित्य को जीवंत रखना जरूरी : मीना चौधरी

साहित्य संवर्धन में जुटे साहित्यकार अलग-अलग विधाओं में समाज को नई दिशा देने के मकसद से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपनी लेखनी चलाते आ रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में महिला साहित्यकार मीना चौधरी भी एक कवि के रूप में अपने रचना संसार को आगे बढ़ा रही हैं। साहित्य और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए समर्पित लेखन के साथ वह कई साहित्यिक, सामाजिक, उद्यमी जैसी संस्थाओं के साथ जुड़ी हैं।

लेखिका मीना चौधरी ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें उनका मकसद गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्यिक व सांस्कृतिक मंचों पर सक्रिय रहकर हिंदी साहित्य को जीवंत और विकासशील बनाए रखना है, ताकि साहित्य और समाज में उनकी सार्थक भूमिका बनी रहे। मीना चौधरी का जन्म 28 मार्च 1971 को जमशेदपुर (झारखंड) में एक मैथिल ब्राह्मण परिवार में हुआ। उनके पिता जमशेदपुर स्थित टेल्को कंपनी में इंजीनियर थे और माता एक समर्पित गृहिणी रहीं। उनका बचपन जमशेदपुर में ही बीता। इन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लिटिल फ्लावर स्कूल (कॉन्वेंट स्कूल) से हासिल की। उनके परिवार या घर में किसी प्रकार का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। उन्होंने अपनी शिक्षा विज्ञान विषयों में की, लेकिन हिंदी भाषा के प्रति उनका एक विशेष लगाव रहा और इसी हिंदी प्रेम के चलते उनकी साहित्यिक रुचि विकसित हुई। स्कूल और कॉलेज के दिनों में कभी-कभार कुछ भावनात्मक लेखन करती थी और उसी दौरान आकाशवाणी से भी जुड़ने का अवसर मिला। हालांकि छात्र जीवन की व्यस्तता के कारण यह साहित्य की रुचि थोड़ा पीछे रही। गृहस्थी में आने के बाद से ही हरियाणा के गुरुग्राम में उद्यम, साहित्यिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय हो गई। साहित्यिक लगाव के कारण उन्होंने लेखन कार्य शुरू कर दिया। वे समाज के विभिन्न पहलुओं पर कविताएं और आलेख लिखती आ रही हैं। उन्होंने बीएससी की शिक्षा के दौरान अपनी पहली रचना लिखी, जो स्थानीय अखबारों में भी प्रकाशित हुई। इससे उनका लेखन के प्रति ऐसे में आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था, जब उनकी रचना रेडियो पर भी प्रसारित हुई। उनका पहला हिन्दी कविता संग्रह 'रस स्रावित' प्रकाशित हुआ, जिसे भाषा सहोदरी हिन्दी के सहयोग से 2019 में प्रकाशित किया गया। जबकि उनका दूसरा काव्य संग्रह 'पैबंद पर सितारे' शीर्षक से पुस्तक के रूप में 2021 में पाठकों के सामने आया। जबकि तीसरा काव्य संग्रह शीघ्र ही प्रकाशित होगा। बकौल मीना चौधरी, वह हिंदी और अंग्रेज़ी भाषा के अलावा मैथिली में भी लेखन करती आ रही हैं। उन्होंने 'भाषा सहोदरी हिंदी' सहित कई संस्थाओं के साथ मिलकर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य किया है, जिसके लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली और उन्होंने मॉरीशस, दुबई और सिंगापुर जैसे देशों में हिंदी को मंच को साझा किया। उनका कहना है कि उनके साहित्य क्षेत्र के सफर में उनके पति, बेटियों और दामाद समेत परिजनों का निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन मिला है, जो उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। साहित्य क्षेत्र के अलावा वे सामाजिक सेवा में भी सक्रीय हैं और स्वच्छता जागरण समिति जैसी संस्थाओं से जुड़ी हैं। वहीं वे कई साहित्यिक संस्थाओं से जुड़ी होने के साथ भाषा सहोदरी की मुख्य संयोजिका हैं और आगमन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला काव्य मंच, गुरुग्राम की महासचिव भी रही हैं। वे खुद के संस्थान इंडसोल एंटरप्राइजेज की अध्यक्ष भी हैं यानी इंडसोल एंटरप्राइजेज में स्व-नियोजित, उद्यमशीलता की दुनिया में अपनी व्यावसायिक विशेषज्ञता उनके पास है।

एक साहित्यकार के रूप में वह राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन दुबई और मॉरीशस में मुख्य प्रबंधक रही हैं एवं भाषा सहोदरी पत्रिका की सम्पादक भी हैं। उनका कहना है कि युवाओं को साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि साहित्य न केवल भाषा और अभिव्यक्ति को समृद्ध करने के साथ सोचने, समझने और महसूस करने की क्षमता भी बढ़ाता है। ऐसी प्रेरणा युवाओं को अपनी संस्कृति, समाज और मानवीय मूल्यों से जोड़ने में सहायक होगी।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : मीना चौधरी
जन्मतिथि : 28 मार्च 1971
जन्म स्थान : जमशेदपुर (झारखंड)
शिक्षा : बीएससी, एमबीए
संप्रति : लेखिका, कवि, संपादक, उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता (गुरुग्राम क्षेत्र)

प्रकाशित पुस्तकें

लेखिका एवं कवि मीना चौधरी की प्रकाशित पुस्तकों में रस स्रावित, पैबंद पर सितारे और मेरी स्वरचित काव्य संग्रह प्रमुख रूप से शामिल हैं। उनके हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में साँझा संकलन एवं पत्र-पत्रिकाओं में कविताएं, लघुकथा और लेख भी प्रकाशित हुए हैं। इसके अलावा वे गद्य और पद दोनों साहित्यिक विधाओं में आलेख और रचनाएं लिखती आ रही हैं। वह हिंदी और अंग्रेजी भाषा के अलावा मैथिली में भी लेखन करती आ रही हैं।

मीना चौधरी

पुरस्कार व सम्मान

मीना चौधरी को साहित्यिक क्षेत्र में योगदान के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचो से अनेक सम्मान मिल चुके हैं। इनमें विश्व हिंदी सम्मान दुबई, 'सहोदरी रत्न' मॉरिशस, 'शब्द मनीषी सम्मान', विविधता में एकता राष्ट्रीय सम्मान, आगमन तेजस्विनी अवार्ड, रंग राची सम्मान, स्वर लहरी सम्मान, प्रेरणा पीढ़ी पुरस्कार, भाषा सहोदरी सम्मान प्रमुख रुप से शामिल रहे। उन्हें अनेक साहित्यिक मंचों से भी विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

'हेल्लो ज़िंदगी' में हैं शिक्षा और समाज के सरोकार

पुस्तक : हेल्लो ज़िंदगी
लेखक : विनय मोहन खारवन
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : समदर्शी प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

अरुण कुमार कैहरबा

सेवानिवृत प्राध्यापक व इस पुस्तक के लेखक विनय मोहन खारवन की प्रतिभा निरंतर समाचार-पत्रों व पत्रिकाओं में चमकती रही है। उनके लघुकथा संग्रह 'हैल्लो ज़िंदगी' शीर्षक ही स्पष्ट करता है कि लेखक अपनी रचनाओं में ज़िंदगी के साथ सीधा संवाद कर रहा है।

अपने समृद्ध अनुभवों और समझ के आधार पर जीवन के विविधि पहलुओं, घटनाओं और संबंधों को अपनी लघुकथाओं के जरिये परख रहा है। लेखक रोजमर्रा के जीवन की छोटी से छोटी घटना को लेता है और सीधे-सरल शब्दों में कथा कहते हुए मर्म की बात कह जाता है। लघुकथाएं विसंगतियों व विडंबनाओं की तरफ संकेत भी करती हैं और प्रहार भी करती हैं। लेखक का मत है कि 'रिटायरमेंट जिंदगी को हैलो कहने का समय होता है।' लेखक का संबंध शिक्षा से रहा है। यही कारण है कि समीक्ष्य संग्रह में उनके शैक्षिक सरोकार अनेक लघुकथाओं में दिखाई देते हैं।

'शोषण' व 'आज का एकलव्य' लघुकथाएं इसी विषय पर केंद्रित हैं। 'आज का एकलव्य' लघुकथा में तीस साल से निजी स्कूल में पढ़ा रहे अध्यापक की दयनीय दशा को दिखाया गया है। 'पैसा और पढ़ाई' में पढ़ाई के प्रति अमीर लोगों का दृष्टिकोण उजागर होता है, जिसमें वे पढ़ाई से ज्यादा पैसे को तरजीह देते हैं। संग्रह में सरकारी स्कूलों का चित्रण भी है। 'ज़मीर' लघुकथा में बीस लाख रुपये के अनुदान पर प्रिंसिपल अपने जमीर को दरकिनार करके मन की इच्छाओं को तरजीह देता है। 'प्रैक्टिकल' में कॉलेज के अध्यापक की प्रैक्टिकल परीक्षाओं में लालच की प्रवृत्ति उजागर होती है। 'नकल' लघुकथा में बोर्ड परीक्षाओं के दौरान सुपरवाइजर द्वारा नकल का धंधा करने और उड़नदस्ते के एक सदस्य द्वारा इसकी उपेक्षा करते हुए सुपरवाइजर के साथ दोस्ती निभाने की अपराधपूर्ण स्थिति को दर्शाया गया है। 'सिलसिला' में ऊपर से नीचे तक चलने वाले धमकी व डर के सिलसिले के बाद बिना किसी सार्थक उद्देश्य से बजट खर्च करने के लिए होने वाले सेमिनारों की कड़वी सच्चाई सतह रूप में उजागर कर दी गई है। शिक्षा कैसे अंकों की होड़ में तब्दील हो गई है, इसे 'ज़िंदगी के नंबर' और 'खुशी का प्रतिशत' में दिखाया गया है। लेकिन 'ज़िंदगी के नंबर' में परीक्षा के अंकों को देखने का सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की सीख दी गई है। संग्रह की अनेक लघुकथाएं हृदय स्पर्शी हैं और सवाल खड़े करती हैं। पहले संग्रह के लिए लेखक को हार्दिक बधाई।

खबर संक्षेप

तीन पर हमला कर घायल करने का लगाया आरोप

खरखौदा। सिलाना गांव के रहने वाले एक युवक ने गांव के ही तीन युवकों पर रंजिशन उसके ऊपर हमला कर घायल कर देने का आरोप लगाया है। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जयदीप का कहना है कि कई दिन पहले उसकी गांव के ही शौकीन के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी, जिसकी उसने रंजिश बना ली। वह शमा के समय अपने कुछ साथियों के साथ जोहड़ की तरफ से घर आ रहा थ कि बीच रास्ते में शौकीने ने अपने भाई सलीम व अंकुश के साथ बाइक पर पहुंचकर उसका रास्ता रोक लिया था।

भवन गिराने के अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

खरखौदा। सोनीपत मार्ग पर परशुराम पार्क के साथ लगती पुरानी ट्रेजरी की जमीन पर बने पटवारखाने को अज्ञात लोगों ने गिरा दिया। जिसकी सूचना मिलने पर बीडीपीओ खरखौदा आस्था गर्ग द्वारा पुलिस को शिकायत देते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। बीडीपीओ आस्था गर्ग ने पुलिस को शिकायत देते हुए कहा है कि पंचायत समिति की भूमि पर एक पटवारखाना बना हुआ था। अज्ञात लोगों द्वारा इस पटवारखाने को गिरा दिया गया। जिसकी न तो किसी अधिकारी से अनुमति ली गई।

टक्कर मारने पर कार चालक के खिलाफ केस

खरखौदा। छह माह पहले फरमाणा के पास सड़क हादसे में घायल बाइक चालक ने टक्कर मारने वाली कार के चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। रोहतक के रुडकी गांव के रहने वाले रवींद्र का कहना है कि वह 4 दिसंबर 2024 को सोनीपत स्थित परीक्षा केंद्र पर घर से परीक्षा देने के लिए निकला था। जब वह फरमाणा के पास पहुंचा तो तेज रफ्तार आई-10 कार ने उसे टक्कर मार दी। जिसके बाद वह बेहोश हो गया। राहगीरों ने उसे सोनीपत स्थित अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां से उसके परिजन उसे पीजीआई रोहतक ले गए।

जानलेवा हमला करने के दो आरोपित दबोचा

गोहाना। क्राइम यूनिट गोहाना की पुलिस ने फायर कर जानलेवा हमला करने की घटना में संलिप्त आरोपित देवीपुरा के रोमियो और प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर उनको न्यायिक हिरासत में भेजा गया। 16 अप्रैल को आदर्श नगर के अरुण ने शहर थाना गोहाना में शिकायत दी थी कि उसके घर के बाहर देवीपुरा कालोनी के चंद्रमोहन व उसके साथियों ने फायरिंग की थी। चंद्रमोहन के साथ एक साल पहले उसका झगड़ा हुआ था, रंजिश में फायरिंग की गई।

शिविर में दी कानूनी सहायता की जानकारी

सोनीपत। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सोनीपत के निर्देशानुसार कानूनी सेवक संदीप बत्रा एवं अधिवक्ता बिजेंद्र आंतिल द्वारा मुरथल खंड के विभिन्न स्थानों पर कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान नागरिकों को जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की कार्य प्रणाली से अवगत करवाया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को साइबर धोखाधड़ी, साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर, स्पैम कॉल इत्यादि की जानकारी दी गई।

नेटबाल चैंपियनशिप के लिए 14 को होगा ट्रायल

सोनीपत। 18वीं सब जूनियर हरियाणा राज्य नेटबाल चैंपियनशिप (लड़के व लड़कियां), 4वीं सब-जूनियर फास्ट 5 हरियाणा राज्य नेटबाल चैंपियनशिप (लड़के व लड़कियां), दूसरी सब-जूनियर मिक्सड हरियाणा राज्य नेटबाल चैंपियनशिप 17 मई और 18 मई तक सीबीएसएम स्पोर्ट्स स्कूल निडानी, जींद में आयोजित होने जा रहे हैं। नेटबाल एसो ऑफ जिला सोनीपत के महासचिव अंकित ने बताया कि चैंपियनशिप में जिला नेटबाल की टीम सभी चैंपियनशिप में दोनों वर्गों में भाग लेंगी।

आरोपी 50 से अधिक आपराधिक मामलों में रहे शामिल

आर के पुरम से दो वांछित अपराधी मुठभेड़ में दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण पश्चिम जिले की आरकेपुरम पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद दो वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम सुरेश उर्फ सुभाष और मनीष उर्फ मोगली बताये गये हैं। जांच में पता चला कि आरोपी दिल्ली में 50 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ 8-9 मई की दरमियानी रात को लगभग एक बजकर दस मिनट पर हुई। उस समय पुलिस के एक गश्ती दल ने सेक्टर-9 स्थित राव तुला राम मार्ग की सर्विस लेन पर खड़ी एक मोटरसाइकिल के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। पूछताछ करने पर दोनों संदिग्धों ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस दल ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें सुरेश के बाएं पैर में गोली लगी। सुरेश और उसके सहयोगी मनीष को पकड़ लिया गया। दोनों दिल्ली के कई इलाकों में हत्या, हत्या के प्रयास, पुलिस पर गोलीबारी करने, लूट, झपटमारी और शस्त्र अधिनियम से जुड़े मामलों में वांछित थे। सुरेश को वर्ष 2012 के एक मामले में 11 साल की सजा सुनाई जा चुकी है, जबकि मनीष भारत नगर थाने में बदमाशों की सूची में दर्ज आदतन अपराधी है। दोनों नशे की लत के शिकार हैं और अपनी लत पूरी करने के लिए अपराध को अंजाम देते थे। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी के अनुसार बदमाशों के पास से दो पिस्टल, चार कारतूस, तीन खोखे, चोरी की एक मोटरसाइकिल और फर्जी नंबर प्लेट बरामद की हैं। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने आरके पुरम सहित कई इलाकों में हाल की झपटमारी और चोरी की वारदातों में शामिल होने की बात कबूली है। डीसीपी ने बताया कि दोनों ने चार मई को विवेकानंद मार्ग से सोने की एक चेन झपटने की बात भी स्वीकार की है। इनकी गिरफ्तारी से सात हालिया मामलों को सुलझाने में मदद मिली है, जिनमें आरकेपुरम, मुखर्जी नगर और अन्य इलाकों में दर्ज मामले शामिल हैं।

चार बांग्लादेशी गिरफ्तार निर्वासन प्रक्रिया प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

वसंत विहार इलाके में अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है। इनके नाम आरिफ (19), असदुल (30), आसिया बेगम (47) और जुहूर अली (80) बताये गये हैं। चारों बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे। चारों को निर्वासन की कार्यवाही के लिए हिरासत केंद्र भेजा गया है। इनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार इलाके में अवैध प्रवासियों को चिह्नित करने के लिए एक टीम को गश्त बढ़ाने को कहा गया था। गश्त के दौरान टीम को तीन पुरुषों और एक महिला के बारे में जानकारी मिली। रुकने का इशारा करने पर उन्होंने भागने की कोशिश की, लेकिन पीछा करके उन्हें पकड़ लिया गया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपनी पहचान बताई और बांग्लादेश के फूलवाड़ी गांव के मूल निवासी होने की बात स्वीकार की। आसिया बेगम और जुहूर अली से बरामद पहचान दस्तावेजों से उनकी बांग्लादेशी नागरिकता और वैध वीजा या परमिट के बिना भारत में अवैध प्रवास की पुष्टि हुई। चारों को मेडिकल जांच के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया और बाद में निर्वासन प्रक्रियाओं के लिए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के हवाले कर दिया गया।

मां बगैर समाज की कल्पना अधूरीः शर्मा

नई दिल्ली। माँ केवल एक शब्द नहीं, एक संपूर्ण जीवन-दर्शन है। उनके बिना समाज की कल्पना अधूरी है। मदर्स डे के उपलक्ष्य में आयोजित एक भावनात्मक, रंगारंग और प्रेरणादायक कार्यक्रम के आयोजन के दौरान आर. के. इंटरनेशनल स्कूल में मैनेजिंग डायरेक्टर सुनीता शर्मा ने बच्चों परिजनों को संबोधित करते हुए यह बातें कही। उन्होंने कहा कि इस विशेष दिन पर विद्यालय प्रांगण मातृ शक्ति के सम्मान में सजे भव्य मंच और उल्लास से गूंज उठा। यहां इस स्कूल में न केवल शिक्षा, बल्कि संस्कार भी देते हैं और माँ इसका पहला स्तंभ होती हैं। हम आज की पीढ़ी में माँ के लिए सम्मान और समझ की भावना को और प्रबल करने का प्रयास करते रहेंगे। वहीं, इस अवसर पर प्रधानाचार्या निधि नेहरा ने सभी माताओं का स्वागत करते हुए कहा कि माँ वह नींव है जिस पर एक बेहतर समाज की इमारत खड़ी होती है। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में विद्यालय के चेयरमैन नरेंद्र कृष्ण शर्मा, डायरेक्टर्स आकाश शर्मा एवं ऐश्वर्या शर्मा, मैनेजमेंट प्रतिनिधि शिल्पी शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पाक की सिखों को भारतीय सेना के खिलाफ भड़काने के मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगेः डीएसजीएमसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने कहा है कि पाकिस्तान द्वारा सिखों को भारतीय सेना के खिलाफ भड़काने की कोशिश व मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। क्योंकि सिख कौम ने हमेशा सेना के कंधे से कंधा मिलाकर देश की रक्षा के लिए योगदान दिया है। डीएसजीएमसी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका व महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने संयुक्त बयान में कहा कि पाकिस्तान सिखों को भड़काने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसे सफलता कभी नहीं मिलेगी। क्योंकि सिख कौम हमेशा अग्रिम पंक्ति में रहकर देश के लिए शहादत देती रही है और आगे भी देती रहेगी। यह बातें उन्होंने गुरुद्वारा बंगला साहिब में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इस समय भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान पाकिस्तान द्वारा ऐसी बयानबाजी की जा रही है जिसका मकसद सिख कौम को भारत सरकार के खिलाफ भड़काना है। पाकिस्तान पहले भी ऐसी घटिया साजिशों में कभी सफल नहीं हुआ और अब भी नहीं होगा। पूरी सिख कौम भारतीय सेना के साथ थी, है और रहेगी। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक सच्चाई यह है कि गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने कश्मीरी पंडितों के लिए अपनी शहादत दी थी और गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपना सर्वस्व इस देश के लिए अर्पण कर दिया था। उन्होंने कहा कि न केवल आजादी की लड़ाई में बल्कि देश की सीमाओं की रक्षा में भी सिख कौम ने हमेशा बढ़-चढ़कर योगदान दिया है और आगे भी देती रहेगी। उन्होंने दिल्ली की सभी सिंह सभाओं से अपील की कि वे भारतीय सेना की चढ़दी कला (उन्नति) के लिए अपने धार्मिक कार्यक्रमों में अरदास करें। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को हर बार मुंह की खानी पड़ी है और इस बार भी खानी पड़ेगी। भारतीय सेना ने हमेशा विजय प्राप्त की है और आगे भी करेगी। उन्होंने कहा कि झूठ बोलकर सिखों को भड़काने की पाकिस्तान की कोशिश न पहले कभी सफल हुई, न अब होंगी।

संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रकों के बीच दबकर व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बाहरी उत्तरी दिल्ली के संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर (एसजीटी) क्षेत्र में 46 वर्षीय एक व्यक्ति की दो ट्रकों के बीच कथित तौर पर दबने से मौत हो गई। मृतक का नाम दीपक था। शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार दीपक खलासी का काम करता था। एक कंटेनर ट्रक का चालक वाहन को पीछे कर रहा था तब वह उक्त कंटेनर ट्रक और एक खड़े ट्रक के बीच दब गया। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। यह घटना शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। दीपक अपने ठेकेदार फिरोज खान के ट्रक का दरवाजा खोल रहा था। फिरोज खान मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के पुपरौआ गांव का निवासी है। फिरोज ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपना ट्रक दो दिन पहले पार्किंग क्षेत्र में खड़ा किया था। पुलिस के एक अधिकारी ने शिकायत के हवाले से बताया कि शनिवार को फिरोज ने देखा कि दीपक ट्रक का दरवाजा खोल रहा था तभी एक कंटेनर ट्रक तेजी से पीछे को ओर आया। दीपक दोनों वाहनों के बीच फंस गया था। फिरोज ने कंटेनर ट्रक के चालक को आगाह किया और उसने अपना वाहन आगे बढ़ाया, लेकिन तब तक दीपक जमीन पर गिर चुका था और उसके मुंह से बहुत खून बह रहा था। पुलिस ने बताया कि दीपक को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में एक मामला दर्ज करके कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

परमात्मा को प्राप्त करने के लिए पुरुषार्थ जरूरी

- गोहाना के आर्य समाज मंदिर में वैदिक सत्संग समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

शहर में गुढ़ा रोड स्थित आर्य समाज मंदिर में रविवार को वैदिक सत्संग समारोह आयोजित किया गया। सत्संग समारोह का शुभारंभ हवन के साथ हुआ। समारोह की अध्यक्षता आर्य समाज गोहाना मंडी इकाई के अध्यक्ष धर्मपाल आर्य ने की। मुख्य भजनोपदेशक गुरुकुल जुआं से आचार्य वेदनिष्ठ ने कहा कि परमात्मा की प्राप्ति के लिए व्यक्ति को पुरुषार्थ करना पड़ता है। मनुष्य का जीवन शास्त्र अनुकूल होना चाहिए। वेद-शास्त्रों में व्यक्ति की पूर्ण निष्ठा होना जरूरी है।

व्यक्ति को जीवन में अविद्या का परित्याग कर विद्या ग्रहण करने पर चलना चाहिए। आचार्य ने कहा कि व्यक्ति को जीवन में आत्म निरीक्षण कर दुर्गुणों का परित्याग कर सद्गुणों को अपनाने की जरूरत होती है। वेदों के अनुसार हमारा जीवन संकल्पशील हो। समारोह में मास्टर प्रदीप आर्य, एडवोकेट अभिमन्यु, सत्यनारायण आर्य, पं. बिजेंद्र आर्य, मास्टर अजीत आर्य, जेई रामपाल, कुलदीप आर्य, रामचंद्र आर्य, इंद्र सिंह भनवाला, उधम मोर, जयपाल मुंडलाना, अनिल सांगवान, राजदेव आर्य, मास्टर नसीब आर्य, कृष्ण आर्य और सुशीला आर्या सहित अन्य श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

मुकरबा चौक : जल निकासी के लिए डाली पाइप लाइन

दया राम ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में गत दिनों हुई बारिश के चलते मुकरबा चौक से लेकर जहांगीरपुरी तक हुए भारी जलभराव ने दिल्ली सरकार की कार्यप्रणाली की पोल खोलकर रख दी। इस जलभराव को लेकर यहां से गुजरने वाले दिल्ली के निवासी काफी परेशान हुए। साथ ही हरिभूमि ने स्थानीय लोगों से बात की तो पाया कि जल निकासी के लिए उचित व्यवस्था नहीं है जिसके चलते यहां भारी जलभराव होता है। इसी माह की 5 तारीख में हरिभूमि ने 'तीन-चार फीट का होगा नाला तभी मिल पाएगी जलभराव से राहत' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी।

हरिभूमि
मुकरबा चौक से जहांगीरपुरी की तरफ लगता है लंबा जाम
तीन-चार फीट का होगा नाला तभी मिल पाएगी जलभराव से राहत

- खबर का हुआ कुछ असर, राहत के आसार नहीं

इसके बाद स्थानीय निवासियों ने बताया कि जल निकासी के लिए यहां फिर से एक पाईल लाइन डाली गई है लेकिन वह भी इस जलभराव के सामने नाकाफी है। क्योंकि यहां जलभराव को देखते हुए कम से कम तीन से चार फीट आकार में एक या अनेकों पाइपों की जरूरत है। जबकि देखा जाए तो फिर से प्रशासन ने एक पाइप लाइन डाल है जो कि बारिश के उचित साधन प्रतीत नहीं हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरफ सरकार को विशेष ध्यान देना होगा तभी भारी जाम से छुटकारा मिल पाएगा।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की सैन्य पराक्रम और रणनीतिक विजयनीति का ऐतिहासिक शंखनाद : कपिल मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- विश्व के इतिहास में पहली बार 90 मिनट में किसी परमाणु राष्ट्र के 11 एयरबेस तबाह किए, जिसे करने का साहस दुनिया की किसी महाशक्ति ने अब तक नहीं किया था

ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य पराक्रम और रणनीतिक विजयनीति का ऐतिहासिक शंखनाद है। यह बात रविवार को दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने कही। कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि विश्व के इतिहास में पहली बार 90 मिनट में किसी परमाणु राष्ट्र के 11 एयरबेस भारत ने तबाह किए, जिसे करने का साहस दुनिया की किसी महाशक्ति ने अब तक नहीं किया था। पाकिस्तान के 11 एयरबेस जिनमें रणनीतिक महत्व वाले सरगोधा जैसे अड्डे शामिल थे। भारतीय वायु शक्ति के क्रांतिकारी प्रहार से ध्वस्त हो गए। उनके रनवे चीर दिए गए। एयर डिफेंस सिस्टम जलकर राख हो गया। और सरगोधा जैसे अड्डे पर तो भारत ने ठीक उसी स्थान को निशाना बनाया जहां उनके परमाणु अस्त्र रखे गए थे।

मिश्रा ने एक्स पर लिखा कि ऑपरेशन सिंदूर का नतीजा है कि विकिरण का रिसाव,परमाणु चेतावनी और अमेरिका की नींद उड़ गई। उन्होंने तुरंत युद्ध विराम की गुहार लगाई, क्योंकि दोनों परमाणु राष्ट्रों की टकराहट ने दुनिया को हिला कर रख दिया। लेकिन भारत ने ऑपरेशन सिंदूर बंद नहीं किया। घुटने टेकने से इनकार किया। क्योंकि भारत अब वो नहीं रहा, जो दशकों तक सहता रहा। आज भारत वह राष्ट्र है जो आतंक के गढ़ में घुसकर उसका सर्वनाश करता है। भारत ने सिद्ध किया है कि अगर सीमा पार से गोली चलेगी, तो जवाब गोले से मिलेगा। अगर तुम हमारे निर्दोषों की जान लोगे, तो हम तुम्हारे आतंकी अड्डों को नष्ट करेंगे, चाहे वो लाहौर हो, बहावलपुर हो या सरगोधा।

सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन का किया जा रहा दुरुपयोग

शुल्क जमा करने से पहले एमसीडी की वेबसाइट या एमसीडी कार्यालय से करें संपर्क : निगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम ने जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार का शुल्क जमा करने से पहले एमसीडी की वेबसाइट या एमसीडी कार्यालय से व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति की पुष्टि करें। दिल्ली नगर निगम प्रशासन ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि निगम के पास हेल्थ ट्रेड लाइसेंस जारी करने और कन्वर्ज़न, पार्किंग व रजिस्ट्रेशन शुल्क प्राप्त करने के लिए एक सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन है। इस संदर्भ में दिल्ली नगर निगम द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि जब भी वे एमसीडी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी क्षेत्र में कोई नई व्यावसायिक गतिविधि शुरू कर रहे हों, तो किसी भी प्रकार का कन्वर्ज़न, पार्किंग, रजिस्ट्रेशन शुल्क या हेल्थ ट्रेड लाइसेंस शुल्क जमा करने से पहले एमसीडी की वेबसाइट या एमसीडी कार्यालय से प्रस्तावित गतिविधि की अनुमति की अवश्य पुष्टि करे। दिल्ली नगर निगम के संज्ञान में आया है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन का दुरुपयोग किया जा रहा है और कन्वर्ज़न, पार्किंग और रजिस्ट्रेशन

शुल्क का भुगतान कर उसकी रसीद डाउनलोड कर ली गई है तथा हेल्थ ट्रेड लाइसेंस शुल्क भी जमा कर लाइसेंस डाउनलोड कर लिया गया है। जबकि मास्टर प्लान-2021 के प्रावधानों के अनुसार उस परिसर में कन्वर्ज़न संभव नहीं है और हेल्थ ट्रेड लाइसेंस जारी नहीं किया जा सकता है।

दलालों और ठगों के झांसे में न आएं नागरिक

निगम का कहना है कि साथ ही, आम जनता को यह भी सलाह दी जाती है कि वे दलालों और ठगों के झांसे में न आएँ, जो मास्टर प्लान-2021 के प्रावधानों के बारे में ग़लत जानकारी देकर अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं। हाल ही में एमसीडी ने ऐसे कई व्यावसायिक गतिविधियों पर कार्रवाई की है, उनके द्वारा जमा किए गए कन्वर्ज़न शुल्क जब्त कर लिए गए हैं और हेल्थ ट्रेड लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं।

अवैध कार्यों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है निगम

निगम प्रशासन का कहना है कि इस प्रकार की गतिविधियां मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार अनुमति नहीं है इसलिए दिल्ली नगर निगम ऐसे अवैध कार्यों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। परिसर का उपयोग मास्टर प्लान-2021 के प्रावधानों द्वारा विनियमित है। इसी तरह, हेल्थ ट्रेड लाइसेंस केवल उसी परिसर के लिए जारी किया जा सकता है जहां मास्टर प्लान-2021 के अनुसार व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद के पीए को सौंपा मांगपत्र

- केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर हड़ताल में कर्मचारी भाग लेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा द्वारा 11 व 12 मई को मंत्रियों के आवास पर 2 दिवसीय धरने और प्रदर्शन नहीं किए जाएंगे। संघ ने यह निर्णय देश में वर्तमान आपातकालीन स्थिति को देखते हुए लिया है। कर्मचारी संघ द्वारा कर्मचारियों की लंबित मांगों को पूरी करवाने के लिए उक्त दोनों दिन मंत्रियों के आवास पर धरने देने का निर्णय लिया था। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा द्वारा 11 व 12 मई को मंत्रियों के आवास पर 2 दिवसीय धरने और प्रदर्शन नहीं किए जाएंगे।कर्मचारियों ने अपनी मांगों को पूरा करवाने के लिए रविवार को कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की गैर मौजूदगी में उनके पीए को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारी नेता सुरेश के अनुसार देश में आपातकालीन स्थिति को देखते 11 व 12 मई को मंत्रियों के आवासों पर धरने और प्रदर्शन न करने का निर्णय लिया है। उनके अनुसार केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 20 मई को हड़ताल होगी जिसमें पूरे प्रदेश से लाखों की संख्या में कर्मचारी भाग लेंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कर्मचारी नेता प्रभु दयाल, दिलावर चहल, रोहतास गंगाना, अर्जुन मलिक, रामकरण, जोगेंद्र शर्मा, दिलबाग सिंह, हंसराज, रमेश शास्त्री, आशीष, मोहन, नरेश, विजय व वीरेंद्र मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

अवैध हथियार के साथ दो आरोपितों को पकड़ा

गोहाना। क्राइम यूनिट गोहाना की पुलिस ने अवैध हथियार की घटना में संलिप्त आरोपित देवी नगर के अमर उर्फ काला व प्रदीप उर्फ पन्नू को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर उनको न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलिस ने शनिवार को मोर चौक के निकट से अमर को अवैध हथियार व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि उसे अवैध हथियार प्रदीप ने उपलब्ध कराया था, जिस पर उसे भी गिरफ्तार किया।

अवैध हथियार सहित गिरफ्तार, कोर्ट में पेश

सोनीपत। सिविल लाइन थाना सोनीपत पुलिस ने अवैध हथियार की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अंशु उर्फ बाबा निवासी गांव आंवली का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। सहायक उप निरीक्षक शिवमुनी ने बताया कि उनकी टीम गश्त के दौरान आंवली के पास मौजूद थी। उसी दौरान एक युवक संदिग्ध हालत में घूमता हुआ मिला। उसे रोककर उसकी तलाशी ली। उसके पास दो पिस्तौल देशी व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

पार्किंग से दोपहिया वाहन चोरी, मुकदमा दर्ज

सोनीपत। बहालगढ़ थाना क्षेत्र में स्थित कंपनी की पार्किंग से कर्मचारी का दोपहिया वाहन चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव छोटी गढ़ी निवासी जितेंद्र ने बताया कि वह चालक की नौकरी करता है। वह अपनी ड्यूटी पर खेवड़ा में गया था। अपनी बाइक को कंपनी के बाहर पार्किंग में खड़ा कर दिया। करीब एक घंटा बाद वापस आया। पार्किंग से बाइक गायब मिली। जांच अधिकारी एसआई अनिल कुमार ने बताया कि क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है।

कई गतिविधियों से हर विद्यार्थी ने अपनी मां के प्रति अपना प्यार जताया

मातृ दिवस पर गुलदस्ता और ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग में दिखाई अपनी प्रतिभा

ब्राइट स्कॉलर स्कूल में मनाया गया मदर्स डे, अपने माता-पिता के सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत करें युवा : अनिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ब्राइट स्कॉलर स्कूल में मदर्स डे मनाया गया। ब्राइट स्कॉलर स्कूल की निदेशक समीक्षा पंवार और प्राचार्या किरण दलाल ने इस समारोह के माध्यम से बच्चों को बताया कि हर दिन मां का दिन होता है, जैसे सूरज के उजाले को सीमित नहीं किया जा सकता है, ठीक वैसे ही मां का प्यार भी असीमित और निरंतर होता है। इस दौरान विद्यालय के हर एक विद्यार्थी ने अपना योगदान दिया। अनेक गतिविधियों के माध्यम से हर एक विद्यार्थी ने अपनी माँ के प्रति अपना प्यार जताया।

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ प्राचार्या

प्रतियोगिता में मयंक ने रहा प्रथम

शहर में सोनीपत मार्ग स्थित शेर सिंह पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस पर प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के लिए ग्रीटिंग और गुलदस्ते बनाए। मार्गदर्शन स्कूल के एमडी महेंद्र सिंह मलिक का रहा। अध्यक्षता प्राचार्य कुलदीप देशवाल ने की। गुलदस्ता मेकिंग प्रतियोगिता में कक्षा 8वीं और कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुई जिसमें मयंक ने प्रथम और दीक्षा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा तीसरी से कक्षा छठी के विद्यार्थियों के लिए ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में हिमांशी ने प्रथम और भारती ने द्वितीय स्थान हासिल किया। कक्षा 11वीं और कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए कविता लेखन और चित्र मेकिंग प्रतियोगिता में तमन्ना, मीनाक्षी और तनीषा क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। विद्यार्थियों ने नृत्य और भाषण प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभा दिखाई।

ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देते हुए।

माताओं ने बच्चों संग खेले कई खेल

गोहाना-सोनीपत मार्ग स्थित ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल में मातृ दिवस धूमधाम से मनाया गया। समारोह में माताओं ने भी अपने बच्चों के साथ परम्परागत खेल खेलने का खूब लुत्फ उठाया। स्कूल के एमडी अनिल मलिक ने कहा कि जीवन में केवल माता-पिता ही हमारे सच्चे हितैषी हैं। माता-पिता को अपने बच्चों से बहुत उम्मीदें होती हैं। उनके सपनों को पूरा करने के लिए युवाओं को मन लगाकर पढ़ाई करनी चाहिए। जीवन में कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे माता-पिता के मान-सम्मान को ठेस पहुंचे। समारोह की अध्यक्षता स्कूल की निदेशक मुकेश मलिक ने की। संयोजन प्राचार्या उषा कौशिक का रहा। मातृ दिवस समारोह में बच्चों ने अपनी माताओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

माँ के बिना जीवन अधूरा : कार्यक्रम में डॉ. रूचि चौधरी को आमंत्रित किया गया जिन्होंने बताया कि मां वो हस्ती है जो खुद परेशानी में रहकर भी अपने बच्चों को खुशियां देती है , खुद भूखा रहकर परिवार का पेट भरती है। सभी विद्यार्थियों ने इस कार्य्रकम के माध्यम से जाना कि माँ के बिना जीवन अधूरा है और हर किसी को मां का हमेशा आभारी रहना चाहिए क्योंकि मां के प्यार और ममता का कर्ज कभी चुकाया नहीं जा सकता।

सोनीपत। लोगों की समस्या सुनते मेयर राजीव जैन। फोटो : हरिभूमि

पार्कों पर खर्च होगी 10 करोड़ से अधिक की धनराशि : जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- नगर निगम मेयर राजीव जैन ने सैर करने आए लोगों की समस्याएं सुनीं

मेयर राजीव जैन ने बताया कि पार्कों के सुधार पर 10 करोड़ से ज्यादा की धनराशि खर्च की जायेगी। जिसमें झूले, जिम, दीवारों की मरम्मत, फुटपाथों का निर्माण कार्य शामिल है। इसके अलावा ऋषि कॉलोनी में दिव्य नगर योजना के तहत 12 एकड़ में 10 करोड़ की लागत से भव्य पार्क का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि सेक्टर 14 के पार्कों की मरम्मत का 93 लाख, सेक्टर 15 के पार्कों का 2 करोड़ 30 लाख, सेक्टर 23 में 1 करोड़ रुपए से मरम्मत का काम चल रहा है और सेक्टर 12 एवं सेक्टर 13 तथा अन्य पार्क को के एस्टीमेट बनाए जा रहे हैं।

रविवार को विभिन्न पार्कों का दौरा करते हुए नगर निगम मेयर राजीव जैन ने सैर करने आए लोगों की समस्या सुनी और समाधान का आश्वासन दिया उन्होंने बताया कि रेवली और शाहपुर व गढ़ शाहजहांपुर में भी पार्क का निर्माण कार्य करवाया जायेगा। उन्होंने बताया कि निगम क्षेत्र में छोटे-बड़े 160 से ज्यादा पार्क है जिनमें ज्यादातर का रखरखाव रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन कर रही है। मेयर ने बताया कि ऋषि कॉलोनी में पार्क में पहले चरण में पार्क निर्माण किया जायेगा और दूसरे चरण में मल्टीपर्पज हाल तथा अन्य सुविधाये विकसित की जाएगी जिस पर कुल 26 करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने बताया कि ड्रेन नंबर 6 पूरी तरह कवर होने के बाद सड़क के साथ-साथ सुन्दर ग्रीन बेल्ट विकसित करने की योजना है जो पार्क की तरह इस्तेमाल कर सकेंगे।

शिविर में 226 के स्वास्थ्य का किया परीक्षण

- गोहाना कैमिस्ट एसोसिएशन की ओर से शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रविवार को गोहाना कैमिस्ट एसोसिएशन द्वारा शहर के देवीनगर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 226 नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

मरीजों को दवाएं भी फ्री में दी गई। शिविर का शुभारंभ नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी के प्रति एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष इंद्रजीत उर्फ राजू विरमानी ने किया। अध्यक्षता गोहाना कैमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष और हरियाणा कैमिस्ट एसोसिएशन के संगठन सचिव प्रदीप चहल ने की। संयोजन मंडल में एसोसिएशन के प्रतिनिधि सुरेश बजाज, पुरुषोतम गोयल, दीपक अरोड़ा, मनीष गोयल, राकेश गुंबर, सुरेश परुथी, गुलशन बतरा, प्रमोद गुप्ता, संजय गोयल, राजेश कुमार और सतनारायण गुप्ता शामिल रहे। शिविर में मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष कुमार मलिक, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. सुहे, डॉ. सनाह, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रिया बजाज, डॉ. राघव बजाज और नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. भीम सिंह ने अपनी सेवाएं दी।

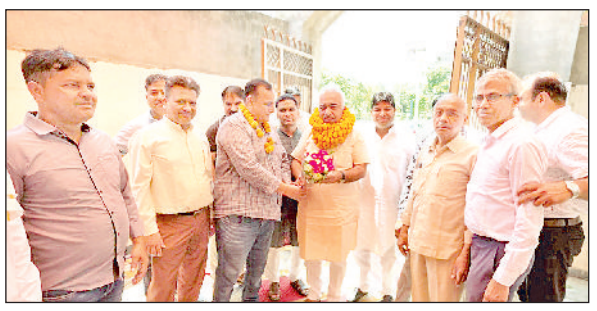

सोनीपत। रिबन काटकर शिविर का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि राजू विरमानी, साथ हैं एसोसिएशन के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

आज भी हम देश सेवा को तत्पर

- भूतपूर्व सैनिक संगठन गन्नौर की मासिक बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भूतपूर्व सैनिक संगठन गन्नौर की मासिक बैठक केडी नगर स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नायक सूबेदार ओमप्रकाश मलिक ने की, जबकि संचालन कैप्टन सतबीर सिंह दहिया ने किया। बैठक में ब्रिगेडियर यशपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में संगठन द्वारा पहलगाम में मारे गए सभी सैलानियों और गन्नौर ब्लाक के दो भूतपूर्व सैनिकों की अकस्मात मौत पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। बैठक में उपस्थित भूतपूर्व सैनिकों ने कहा कि वे आज भी देशसेवा के लिए तत्पर हैं। यदि देश को उनकी जरूरत पड़ती है, तो वे एक बार फिर लड़ाई के मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। सभा में सूबेदार नवीन प्रताप त्यागी, सूबेदार रतन मलिक, सूबेदार जराजपाल, सूबेदार ईश्वर सिंह, कैप्टन सतबीर सिंह, नायक वेद और सूबेदार कृष्ण मौजूद रहे।

चंद्रशेखर और अर्जुन ग्रुप का खो-खो मैच ठाई

खरखौदा। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा चलाए जा रहे ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर के दौरान सूर्या फाउंडेशन के वाईस चेयरमैन अनंत बिरादर द्वारा बच्चों को प्राकृतिक चिकित्सा और जीवन में उपवास का महत्व के बारे मे जानकारी दी गई। आदर्श गांव योजना प्रमुख द्वारा बच्चों को सुलेख एवं पत्र लेखन के विषय मे जानकारी देते हुए बताया गया कि हम कैसे अपने अक्षर की बनावट सुन्दर बना सकते हैं। साथ ही सूर्या फाउंडेशन के ट्रस्टी कामेश्वर द्वारा आदर्श विद्यार्थी एवं संस्कार के विषय में बच्चों को बताया गया कि एक आदर्श विद्यार्थी कैसा होना चाहिए और हमारे संस्कार कैसे हों, ताकि हम अच्छा इंसान और देश के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इसके अलावा खो-खो प्रतियोगिता भी कराई गई। जिसमें चंद्रशेखर और अर्जुन ग्रुप के बीच मैच ड्रा रहा। अहिल्या ग्रुप और लक्ष्मी ग्रुप अपने अपने लीग मैच के विजेता रहे। शिविर प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप ने यह जानकारी दी।

शिविर में 72 यूनिट रक्त एकत्रित

गन्नौर। बेगा युवा वेलफेयर सोसाइटी और जनहित अभियान फाउंडेशन द्वारा जनता लैब में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन सोमवीर शास्त्री बेगा ने किया, जिन्होंने स्वयं 57वीं बार रक्तदान कर समाजसेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि शिविर में कुल 72 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस अवसर पर चेयरमैन महिंद्र छिकारा, फॉरेस्ट मैन राजपाल छिक्कारा, अंग्रेजी प्रवक्ता पूर्ण सिंह, सतीश कश्यप, डा. रवि, गोविंद शर्मा, बिजेंद्र प्रजापत, बिट्टू, सागर, राजीव वकील, साहिल, मयंक और अंकित अन्य मौजूद रहे।

वन्य जीवों की सुरक्षा करना कर्तव्य: डॉ. शर्मा

गोहाना। युवा शक्ति संगठन द्वारा गर्मी के दिनों में हर वर्ष पंछियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की जाती है। इ क्रम में संगठन द्वारा रविवार को शहर में शांति अस्पताल में पंछियों के लिए मिट्टी के बर्तनों में दाना और पानी रखा। मार्गदर्शन संगठन के अध्यक्ष प्रमोद भारती का रहा। पंछियों के लिए इस सेवा का प्रबंध अस्पताल के संचालक एवं जन संघर्ष मंच हरियाणा के मुख्य सलाहकार डॉ. सीडी शर्मा ने हाथों से करवाया गया। डॉ. शर्मा ने कहा कि वन्य प्राणी प्राकृतिक पर्यावरण का अहम हिस्सा हैं।

ये पारिस्थितिक तंत्र को सुरक्षित रखते हैं जो पृथ्वी पर जीवन चक्र को सकुशल गतिमान रखने के लिए अति आवश्यक है। इनकी सुरक्षा करना मनुष्य का नैतिक कर्तव्य है। इस पुनीत कार्य में संगठन अध्यक्ष प्रमोद भारती की मां रामरति वर्मा, सहयोगी आशीष, विकास, अभिषेक जैन, राजेंद्र कथूरिया और धर्मवीर का विशेष सहयोग रहा।

सोनीपत। संगठन के प्रतिनिधि डॉ. सीडी शर्मा के हाथों से पंछियों के लिए दाना-पानी का प्रबंध करवाते हुए।

चोरों ने कई घरों को बनाया निशाना आभूषण व नकदी उड़ाई, केस दर्ज

सोनीपत। अलग-अलग स्थानों पर चोरों ने घरों को निशाना बनाकर आभूषण, नकदी व मोबाइल चोरी कर लिये। बहालगढ़, व कुंडली थाना पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर लिए है। गांव दीपालपुर निवासी समे सिंह ने बताया कि वह शनिवार शाम को जब उन्होंने घर में बने कमरे को खोला तो स्टोर में रखी लोहे की अलमारी का लॉक टूटा मिला। कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने जांच की तो अलमारी से 75 हजार रुपये, तीन सोने की चेन, सोने का मंगलसूत्र, दो अंगूठी, गलसरी, चांदी की तीन जोड़ी पाजेब, तागड़ी और चांदी के सिक्के चोरी मिले। चोर करीब आठ लाख से अधिक के आभूषण ले गए। मामले की सूचना पर बहालगढ़ थाना पुलिस ने जांच के बाद चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, पुलिस ने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी खंगाले हैं। कमरे से दो मोबाइल व 30 हजार ले गए चोर प्याऊ मनियारी स्थित कमरे से चोर दो मोबाइल व 30 हजार रुपये ले गए। उत्तर प्रदेश के औरैया के गांव चिटका परपुरी निवासी संध्या देवी ने बताया कि वह प्याऊ मनियारी स्थित दहिया कॉलोनी में किराए पर रहते हैं। रात को वह परिजनों संग कमरे में सो रही थी। सुबह उठी तो उनका व उनके पिता का मोबाइल और 30 हजार चोरी मिले।

कबड्डी में स्वर्ण पदक विजेता ज्योति का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

पुरखास गांव की बेटी ज्योति राठी ने बिहार में 4 से 8 मई तक आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में अंडर-19 स्टेट लेवल कबड्डी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर पूरे हरियाणा का मान बढ़ाया। रविवार को गन्नौर में खेल प्रेमियों ने ज्योति का ढोल-नगाड़ों और फूलों की वर्षा से शानदार स्वागत किया। ज्योति के पिता ब्रह्मानंद एक टैक्सी चालक हैं और मां सुनीता एक गृहिणी हैं।

उन्होंने कहा कि उनकी बेटी ने बेटों से कम नही है। कोच इंद्र पहल ने बताया कि ज्योति की सफलता उसकी कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासन का परिणाम है। यह पदक दूसरी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ज्योति ने कहा कि माता-पिता के साथ और कोच का आशीर्वाद ही मेरी ताकत है। अब देश के लिए इंटरनेशनल लेवल पर मेडल जीतना है, इस लक्ष्य के साथ और अधिक मेहनत करूंगी। मौके पर गांव पुरखास राठी के सरपंच प्रतिनिधि सुनील जांगड़ा सहित कृष्ण चंद्र मलिक, दीपक, नवीन मलिक, राकेश मलिक और नरेश पुरखास ने ज्योति का सम्मान किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

रुकमणि देवी पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम

गतिविधियां देतीं हैं बच्चों को भावनाएं अभिव्यक्त करने का अवसर : डॉ. प्रवीन

कविता पाठ, धन्यवाद कार्ड, बेस्ट मां बजट प्रेजेंटेशन में उकेरे भाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

रुकमणि देवी पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम, आदर और कृतज्ञता प्रकट करते हुए विविध रचनात्मक गतिविधियो में भाग लिया। विद्यालय में आयोजित प्रमुख गतिविधियों में कविता पाठ, धन्यवाद कार्ड, बेस्ट मां बजट प्रेजेंटेशन, पेपर फ्लावर, कविता लेखन, कहानी लेखन तथा धन्यवाद पत्र लेखन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। गतिविधियों के माध्यम से छात्रों ने अपनी माताओं के प्रति स्नेह और सम्मान की भावना को सुंदर अभिव्यक्ति दी।

विशेष प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने माताओं के योगदान को सराहते हुए भावनात्मक भाषण, कविताएं और गीत प्रस्तुत किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीन गुप्ता ने छात्रों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों को अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने का अवसर देती हैं और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करती हैं।

राई। मातृ दिवस के उपलक्ष्य में विशेष गतिविधियों के प्रतिभागी विजेता छात्र अपने शिक्षकों के साथ।

ढेंचा लगाने पर प्रति एकड़ 1000 रुपये देगी सरकार

- सरकार की इस योजना से अधिक किसानों को लाभ मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

खंड कृषि अधिकारी डॉ आनंद श्योराण ने बताया कि हरियाणा में रासायनिक खाद पर किसानों की निर्भरता कम करने व भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार हरित खाद को प्रोत्साहित करेगी। अपनी जमीन पर ढांचा उगाने वाले किसानों को प्रति एकड़ 1000 रुपये दिए जाएंगे।

यह प्रोत्साहन राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाएगी।डॉ आनंद ने बताया कि सरकार की इस योजना से अधिक किसानों को लाभ मिलेगा। यह एक प्राकृतिक खाद है जो मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, नमी बनाए रखने और उत्पादन लागत घटाने में सहायक है। इसके लिए किसान को मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने बताया कि किसानों को जागरूक करने के लिए विभाग की तरफ से किसानों को जागरूक किया जाएगा ।

डेंचा एक फलीदार फसल है, जिसे कटाई से पहले मिट्टी में जोतकर जैविक खाद तैयार की जाती है। यह फसल मिट्टी है की उर्वरता बढ़ाने में भी सहायक होती है क्योंकि यह नाइट्रोजन स्थिरीकरण करती हैं और नाइट्रोजन की पूर्ति करती है।